PRADHAN MANTRI JAN-DHAN YOJANA

06 अक्टूबर, 2014

प्रिय मित्रों,

मैं यह पत्र आपके द्वारा ***प्रधानमंत्री जन-धन योजना*** को सफलतापूर्वक आरंभ करने को ध्यान में रखते हुए लिख रहा हूं। अभी तक इस योजना को प्राप्त अप्रत्याशित प्रतिक्रिया से मैं प्रसन्न हूं। पहले वर्ष में 7.5 करोड़ खाते खोले जाने के लक्ष्य की तुलना में योजना को आरंभ किए जाने के 5 सप्ताह के भीतर 5 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं।

यह मुख्य रूप से आपके परिश्रम और प्रतिबद्धता के कारण हुआ है। हमने आपसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था कि कोई भी व्यक्ति बैंक खाते से वंचित न रह जाए। किसी चुनौती का सामना करने के लिए मुझे अपनी प्रणाली की क्षमता पर हमेशा विश्वास रहा है और आपकी अटल प्रतिबद्धता, उद्देश्यपरकता तथा कठिन परिश्रम के कारण आपके परिणाम उम्मीद से भी अधिक रहे हैं।

तथापि, जैसे-जैसे हम यहां से आगे बढ़ेंगे, इस यात्रा का और कठिन होना तय है और उपलब्धियां और भी चुनौतीपूर्ण होती जाएंगी। अंतिम कुछ व्यक्ति जिनके पास बैंक खाते नहीं है उन तक पहुंचना और कठिन होगा। हमें पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने के अपने प्रयास में कोई कमी नहीं रखनी चाहिए।

यह चिंतन और यथापेक्षित मध्यावधिक सुधार करने का समय है। नए खाताधारकों के बीच वित्तीय जानकारी को बढ़ावा देने के लिए अत्यधिक प्रयास की आवश्यकता होगी। नए खाते को सक्रिय रखने और इनका समुचित उपयोग किए जाने की भी आवश्यकता होगी। आधार संख्या को बैंक खातों से जोड़ना आवश्यक होगा। ई-केवाईसी जैसी सुविधाओं का प्रयोग लाभप्रद रूप से किया जाए। बैंक शाखाओं तथा बैंक मित्रों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी ताकि बैंकिंग प्रतिनिधि द्वारा प्रत्येक खाताधारक से नियमित रूप से संपर्क किया जा सके।

मुझे विश्वास है कि जिस प्रकार का उत्साह और प्रतिबद्धता आपने दिखाई है, उससे *प्रधानमंत्री जन-धन योजना* के योजनाबद्ध उद्देश्यों को प्राप्त करने में हमें अवश्य सफलता मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

नरेन्द्र मोदी